Regd. No. CHD/0093/2015–2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 21-2017] CHANDIGARH, TUESDAY, MAY 23, 2017 (JYAISTHA 1, 1939 SAKA)

PART—I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

अधिसूचना

दिनांक 8 मई, 2017

संख्या 12/171–2017–पुरा/8889.– पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्राहालय विभाग अधिसूचना संख्या 12/171–2016–पुरा/6162–68 दिनांक 17 अक्टूबर, 2016 के प्रतिनिर्देश से, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में, विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित स्मारक के रूप में तथा उक्त अनूसूची के खाना 2,3,4,5 तथा 6 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करते हैं:–

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों के नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील तथा जिला का नाम	संरक्षणाधीन शामिल किए जाने वाला राजस्व खसरा/किला सं0	क्षेत्र जो संरक्षित किया जाना है	स्वामित्व	विशेष कथन
प्राचीन संस्मारक शेख मुस्साका दरगाह तथा झूलती मीनार	प्राचीन संस्मारक शेख मुस्साका दरगाह तथा झूलती मीनार	पल्ला	नूहँ	80	कनाल – मरला 24 – 07	पंजाब वक्फ बोर्ड अम्बाला छावनी	शेख मूसा की कब्र का सीधा और उपयोगितावादी वास्तुकला मुगल और राजपूत शौलियों का एक आदर्श स्थान होने के कारण पता चलता है। दरगाह 14वीं शताब्दी तथा मीनार 18वीं शताब्दी से सम्बन्धित है।

डॉ० सुमिता मिश्रा,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 8th May, 2017

No. 12/171-2016-Pura/8889.— In exercise of the powers conferred by Sub-section (3) of Section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), and with reference to Haryana Government, Archaeology and Museums Department, notification Number 12/171-2016-Pura/6162-68, dated the 17th October, 2016, the Governor of Haryana hereby declares the ancient and historical monument specified in column 1 of the Schedule given below to be a protected monument and the archaeological site and remains specified in columns 2,3,4,5 and 6 of said Schedule to be protected area:-

SCHEDULE

Name of Ancient Historical monument	Name of the Archaeological Site and remains	Name of Village/City	Name of Tehsil and District	Revenue Khasra/Killa number to be included under protection	Area with Killa number which is to be protected	Ownership	Remarks
Ancient Monument Sheikh Musa ka Dargah and Jhulti Minar	Ancient Monument Sheikh Musa ka Dargah and Jhulti Minar	Palla	Nuh	80	Kanal-Marla 24 - 07	Punjab Wakf Board, Ambala Cantt.	The Simplistie and utilitarian architecture of the tomb of Sheikh Musa shows ideal blend of Mughal and Rajput Styles. The Dargah belongs to circa 14th Centurary and Minar belongs to circa 18th Centurary.

DR. SUMITA MISRA,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Archaeology and Museums Department.

55242—C.S.—H.G.P., Chd.